सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

# स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, बुधवार, 08 अक्टूबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 5, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड आरोपी की गिरतारी टली, पीड़ित करेगा पुलिस आयुक्त से... » Pg02

» Pg12

## सरेंडर करने की फिराक में 25 हजार की ईनामी फरार महामंडलेश्वर

## अखिलेश से मिलकर उमड़ा दर्द, छलकी आंखें

# आजम पार्टी की धड़कन हैं, उन्हें झूठे केसों में फंसाया

## जौहर यूनिवर्सिटी में हुई दोनों दिग्गजों की मुलाकात, गले लगाकर दूर हुए गिले-शिकवे, अकेले में हुई खूब बातचीत

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान और पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की बुधवार को रामपुर में मुलाकात हुई। आजम से जब अखिलेश यादव मिले तो आंखें भर आईं। लंबे समय बाद दोनों नेताओं का मिलना हुआ और उन्होंने हाथ मिलाया। इस दौरान यह स्पष्ट हुआ कि व्यक्तिगत स्तर पर दोनों के बीच सपा की राजनीति से अलग गहरा रिश्ता और सम्मान मौजूद है। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे से गले मिलकर पुराने गिले--शिकवे भुलाने का संकेत दिया। दोनों एक कार से घर पहुंचे।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव बुधवार को वरिष्ठ नेता आजम खान से मिलने रामपुर पहुंचे। बरेली हिंसा के बाद प्रशासन ने अखिलेश को शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी थी, जिसके चलते वह बरेली एयरपोर्ट से सीधे हेलिकॉप्टर से रामपुर पहुंचे। एयरपोर्ट से पहले ही सपा कार्यकर्ताओं को रोक दिया गया। हालांकि बाद में पांच लोगों को अखिलेश यादव से मिलने के लिए भेजा गया। जिसमें सपा सांसद नीरज मौर्य, विधायक शहजिल इस्लाम, विधायक अताउर रहमान, जिलाध्यक्ष शिवरण कश्यप, महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी शामिल रहे। यहां जौहर विश्वविद्यालय के हेलीपैड पर आजम खान ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं के बीच मुलाकात के दौरान माहौल भावनात्मक रहा। जब अखिलेश से आजम मिले तो आंखें भर आईं।

### कार्यकर्ताओं का उमड़ा हुजूम

इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री के रामपुर पहुंचते ही यूनिवर्सिटी के बाहर सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई। पुलिस ने मीडिया कर्मियों को आजम के घर के बाहर ही रोक दिया। अखिलेश यादव का काफिला जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचा तो सपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं की भीड़ नारे लगाती रही।

अखिलेश यादव ने रामपुर में करीब दो घंटे आजम खान से मुलाकात की। रामपुर में 2 घंटे 25 मिनट गुजारने के बाद वे बरेली लौट रहे हैं। सपा प्रमुख ने रामपुर में आजम खां से मुलाकात के दौरान कहा कि वह हमारे पुराने कार्यकर्ता हैं, उनसे मिलने आए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा ने आजम खां के परिवार पर इतने मुकदमे लाद दिए हैं कि अब गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि इस सरकार में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) वर्ग खुद को अपमानित महसूस कर रहा है।

आजम खान और अखिलेश दोनों एक ही कार से आवास पहुंचे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मुलाकात सिर्फ व्यक्तिगत भावनाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि पार्टी के संगठनात्मक और चुनावी दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। आजम खान की जेल से रिहाई के बाद यह पहली मुलाकात दोनों नेताओं के बीच भरोसे और सहयोग को दोबारा स्थापित करने के रूप में देखी जा रही है।

### सपा कार्यकर्ताओं में उत्साह, कड़ी सुरक्षा, इलाका बना छावनी

**प्रशासन** ने उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की सुरक्षा के लिए तीन मजिस्ट्रेट और सीओ स्तर के अधिकारी तैनात किए हैं। पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। आजम खां के मोहल्ले की ओर जाने वाले कई रास्तों और दुकानों को बंद करा दिया गया है। सपा कार्यकर्ताओं में अखिलेश यादव के दौरे को लेकर जबरदस्त उत्साह है।

## ऐतिहासिक क्षण

## सांस्कृतिक कार्यक्रम में वित्तमंत्री संग सीएम योगी रहे मौजूद

# अयोध्या में बृहस्पति कुंड का लोकार्पण, संतों की प्रतिमा का भी हुआ अनावरण

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या बुधवार को एक बार फिर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक क्षण की साक्षी बनी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने नगर में बने बृहस्पति कुंड का लोकार्पण करने के साथ ही परिसर में बनी दक्षिण भारत के संतों की प्रतिमाओं का अनावरण कर दिया।

बृहस्पति कुंड पर दक्षिण भारत के तीन प्रख्यात संतों की मूर्तियां स्थापित की गई हैं। जिनका अनावरण केंद्रीय मंत्री व मुख्यमंत्री ने किया है। बृहस्पति कुंड रामनगरी के 108 पौराणिक स्थलों में से एक है इस कुंड की महत्ता विभिन्न शास्त्रों में बताई गई है।

इससे पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अपनी दो दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचीं। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और कृषि मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केंद्रीय मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान जिले के प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पारंपरिक वाद्ययंत्रों की मधुर धुनों और पुष्पवर्षा के बीच उनका स्वागत हुआ, जिससे अयोध्या की धार्मिक और सांस्कृतिक आत्मा स्पंदित हो उठी। इस कार्यक्रम में वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ संयुक्त रूप से दक्षिण भारत के तीन महान संगीतज्ञों-संत त्यागराज स्वामीगल, पुरंदर दास और अरुणाचल कवि की मूर्तियों का अनावरण करेंगी। बृहस्पति कुंड परिसर में स्थापित की गई ये मूर्तियां भारतीय संगीत, भक्ति और कला परंपरा का जीवंत प्रतीक हैं।

इन संत संगीतज्ञों ने भक्ति संगीत को भारतीय संस्कृति का आत्मस्वर बनाया। अब इनकी मूर्तियों का अयोध्या की पावन भूमि पर स्थापित होना उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक एकता का अनोखा उदाहरण माना जा रहा है। वित्तमंत्री और मुख्यमंत्री बृहस्पति कुंड में प्रमुख दक्षिण भारतीय संतों की मूर्ति का अनावरण करेंगे। मूर्ति अनावरण कार्यक्रम के पश्चात दोनों द्वारा तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र लॉन राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया जाएगा।

# आरोपी की गिरफ्तारी टली, पीड़ित करेगा पुलिस आयुक्त से शिकायत

**» पीड़ित को मिल रही जान से मारने की धमकी, पुलिस पर संरक्षण देने का आरोप**

**» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र में पुलिस की कथित लापरवाही का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। सिरोही निवासी संजय कटियार ने 15 दिन पहले राजा नामक व्यक्ति के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था, लेकिन अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पीड़ित ने बताया कि पुलिस ने मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज किया था, जिसमें गंभीर चोटें पाई गई थीं, बावजूद इसके थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया आरोपी को संरक्षण दे रहे हैं।**

**गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज होने के बावजूद 15 दिन से नहीं हुई आरोपी की गिरफ्तारी**

पीड़ित संजय कटियार का कहना है कि पुलिस मामले को मामूली बताकर टाल रही है। जब उन्होंने इंस्पेक्टर से गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी मांगी, तो उन्हें जवाब मिला कि आरोपी को केवल धारा 151 में पकडक़र मामला खत्म कर दिया जाएगा। पीड़ित के अनुसार, आरोपी लगातार उन्हें जान से मारने की धमकियां दे रहा है और अब कल्याणपुर थाने में फर्जी मुकदमा दर्ज कराने की साजिश रच रहा है।

अब संजय कटियार ने इस पूरे प्रकरण की शिकायत नए पुलिस आयुक्त से करने का निर्णय लिया है। वह शीघ्र ही ज्ञापन देकर पनकी पुलिस की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग करेंगे। इस मामले में स्थानीय पत्रकारों ने भी पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं और पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

वहीं इस पूरे मामले में थाना प्रभारी पनकी का कहना है की पीड़ित के मेडिकल के हिसाब से जो सुसंगत धाराएं बन रही थीं उसी के तहत अभियोग पंजीकृत हुआ है आरोपी की तलाश में पुलिस की टीमें लगाई गई हैं जल्द ही उसकी गिरफ्तारी करके उसे जेल भेजा जाएगा।

# मिशन शक्ति फेस-5 के तहत एलन कोचिंग सेंटर में छात्राओं को किया सशक्त

**» महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण पर पुलिस-समाजसेवियों ने रखे विचार**

**काकादेव थाना टीम व एलन कोचिंग ने मिलकर बढ़ाया बेटियों का आत्मविश्वास**

**» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर नगर।उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति फेस-5 के तहत मंगलवार को काकादेव स्थित एलन कोचिंग सेंटर में महिला सुरक्षा, नारी सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक पुलिस आयुक्त स्वरूप नगर के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक काकादेव राजेश कुमार शर्मा और अतिरिक्त निरीक्षक उदयवीर सिंह के मार्गदर्शन में की गई। इस दौरान वरिष्ठ उपनिरीक्षक शिवकरण वर्मा, महिला उपनिरीक्षक अनीता सिंह एवं अंजलि आर्य के साथ मिशन शक्ति / एंटी रोमियो टीम की महिला आरक्षी कुमारी आरती मौजूद रहीं। समाजसेवी श्रीमती शगुन खट्टर, श्रीमती कंचन सिंह तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की श्रीमती नित्य चावला ने भी महिला सशक्तिकरण पर अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम में एलन कोचिंग सेंटर के मेडिकल डिवीजन हेड श्री अभिनव त्रिपाठी और जूलॉजी टीचर श्री अभय त्रिपाठी ने भी छात्राओं को मिशन शक्ति के उद्देश्य बताए।**

छात्राओं अंशिका चौहान, यसरा खालिद, आरोही द्विवेदी, तनवो गुप्ता, अंशिका कुशवाहा, सारलिन कौर, आरजू यादव, रिया यादव, एकता चौरसिया, अदिति, प्रगति, उर्वशी, स्नेहा पटेल, टिया पुरी, और सुदीक्षा वर्मा ने महिला सुरक्षा से जुड़ी अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। मिशन शक्ति टीम ने सभी छात्राओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके समाधान के व्यावहारिक उपाय बताए।

इस कार्यक्रम ने छात्राओं के भीतर आत्मविश्वास और आत्मबल दोनों को मजबूत किया, जिससे उन्हें न केवल सुरक्षा की समझ मिली, बल्कि समाज में सम्मानपूर्वक अपनी बात रखने का साहस भी जागा।

# एरियर भुगतान के लिए प्रतिरक्षा कर्मियों ने किया प्रदर्शन

**» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

कानपुर। कानपुर में ओईएफ मजदूर संघ के बैनर तले बुधवार को फूलबाग स्थित ओईएफ गेट के बाहर कर्मचारियों ने एरियर भुगतान न होने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन कोर्ट के आदेशों का पूर्ण रूप से पालन न करने के खिलाफ किया गया। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि न्यायालय ने निर्माणी कर्मचारियों को ओवर टाइम अलाउंस का भुगतान डीए के अतिरिक्त टीए, एचआरए और एसएफए को जोड़कर करने का आदेश दिया था।

आदेश की अवहेलना पर अवमानना वाद दायर किया गया था। इसके बाद टीसीएल ग्रुप की सभी निर्माणियों को यह आदेश दिया गया कि निगमीकरण के पश्चात के ओटी एरियर का भुगतान पत्र जारी होने के 15 दिनों में कर दिया जाए। निगमीकरण के पूर्व का भुगतान रक्षा मंत्रालय से बजट आवंटन के बाद होना था। फरवरी/मार्च 2023 में रक्षा मंत्रालय द्वारा टीसीएल हेडक्वार्टर को एरियर के लिए बजट आवंटित भी कर दिया गया था।ओईएफ मजदूर संघ का आरोप है कि बजट आवंटन के बाद टीसीएल ने एरियर को दो किस्तों में भुगतान करने की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन वर्तमान में कार्यरत कर्मचारियों को ही उनके बकाया ओटीए का केवल 50त्न भुगतान किया गया है।

# कानपुर से फिर जुड़ा पंजाब के नशे का नेटवर्क!

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। पंजाब में धड़ल्ले से बेची जा रही नशे की दवाओं का कानपुर से भी लिंक है। लुधियाना से एनडीपीएस की पुलिस टीम ने लोकल पुलिस और ड्रग विभाग के अफसरों संग बिरहाना रोड की नील वाली गली स्थित श्री लक्ष्मी फार्मा में छापा मारा। यहां टीम को लाखों रूपये कैस, दवाओं के रैपर और काफी संख्या में संदिग्ध दवाएं मिली हैं। ड्रग विभाग ने दवाओं को सीज कर दिया है। वहीं नोटों की गिनती मशीन से की जा रही है।**

ड्रग इंस्पेक्टर ओम पाल सिंह ने बताया कि पंजाब पुलिस टीम की सूचना पर लोकल पुलिस संग श्री लक्ष्मी फार्मा पर छापा मारा गया है। यहां से चार लाख से अधिक की संदिग्ध दवाएं मिली हैं, इन्हें सीज कर दिया गया।

फार्मा का मालिक राहुल अग्रवाल भाग गया है, उसकी बेटी से पूछताछ की जा रही है। करीब 29 लाख से अधिक का कैस भी बरामद हुआ है। दवाओं की जांच रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल ने बताया कि मौके पर मिले तथ्यों के अनुसार प्रतीत हो रहा है कि यहां पर नकली दवाएं बनाई जाती हैं और उनको पैक

**» बिरहाना रोड की नील वाली गली में श्री लक्ष्मी फार्मा पर छापा,**

**» पंजाब पुलिस और ड्रग विभाग के अफसरों की संयुक्त कार्रवाई**

करने का काम भी होता है। इतना ही नहीं यहां एक्सपायरी दवाओं की एक्सपायरी डेट मिटाकर उन पर फिर से नई तारीख के लेबल लगाए गए हैं। सभी चीजों को जब्त कर लिया गया है।

पंजाब के लुधियान से आई एनडीपीएस की पुलिस टीम ने नशीली दवाओं के संबंध में ड्रग विभाग के आलाधिकारियों को सूचना दी। इसपर दोनों ड्रग इंस्पेक्टर रेखा सचान और ओमपाल सिंह ने लोकल पुलिस के साथ नील वाली गली के शॉप नंबर तीन 58झ31 बिरहाना रोड स्थित श्री लक्ष्मी फार्मा में छापामार कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस के अफसर भी मौजूद रहे।

**एक कमरे से चल रहा था नकली दवाओं का कारोबार**

तीसरे फ्लोर के एक कमरे से पूरा काम मैनेज किया जा रहा था। यहां फार्मा के मालिक राहुल अग्रवाल नहीं मिले। ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल सिंह ने बताया कि दरवाजे खोलने के बाद महिला पहले कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हो रही थी। पुलिस ने जब कुछ कडा रूख किया तो बताया। बिलों के संबंध में राहुल अग्रवाल की बेटी से पुलिस पुछताछ कर रही है। नीचे फर्म चल रही थी और ऊपर परिवार रहता मिला। घर से भी सारा काम किया जा

**» लाखों की संदिग्ध दवाएं और 29 लाख कैश बरामद**

**» संदिग्ध दवाओं को सीज किया- ड्रग इंस्पेक्टर ओमपाल सिंह**

रहा था। करीब चार घंटे तक चली जांच में फर्म से पांच लाख रुपये की नकली दवाएं, नकली दवाओं के रैपर, उनके बॉक्स मिले। दवाओं के रैपर पर बैच नंबर, एक्सपायरी तिथि व एमआरपी डालने के लिए एक मिनी पोर्टेबल प्रिंटर बरामद हुआ।

**बुखार, पेटदर्द और गैस की बेच रहा था नकली दवाएं**

राहुल की फर्म में गैस, पेट दर्द, बुखार, एंटीबायोटिक टैबलेट व इंजेक्शन सहित छह तरह की नकली दवाएं मिली हैं। इनकी कीमत करीब पांच लाख रुपये आंकी गई है। राहुल के घर में ही नकली दवाओं की लेबलिंग की जाती थी। इन्हें ब्रांडेड दवाओं के बॉक्स में रखा जाता था। नामी कंपनियों के यह बॉक्स घर में ही प्रिंट किए जाते थे। टीम का अनुमान है कि यह दवाएं कहीं पर तैयार की जा रही थीं या फिर इन दवाओं को कहीं से खरीदकर उन्हें नामी दवा कंपनियों के नाम पर बनाए बॉक्स में रखकर बेचा जा रहा था। इन दवाओं की सप्लाई ग्रामीण क्षेत्र में होने की आशंका विभाग को है।

# लाटरी गेम में फंसाकर करोड़ो ठगे, दो सगे भाईयों को एसटीएफ ने किया गिरफ्तार

**» 'भाग्यलक्ष्मी' वेबसाइट से फर्जी लॉटरी दिखाकर करते थे ठगी, वाराणसी के हैं दोनों आरोपी**

**» पूणे में बैठ कर बनाया था, नेटवर्क कई राज्यों में फैले हैं गिरोह के तार**

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। किदवई नगर में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) लखनऊ ने एक ऐसे ठग गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो ऑनलाइन गेमिंग और लॉटरी में जीत का लालच देकर लोगों से करोड़ों रुपये हड़पता था। एसटीएफ ने वाराणसी के लहरतारा निवासी दो सगे भाइयों रजत और किशन केशरी को गिरफ्तार किया है। टीम ने उनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप, तीन एटीएम कार्ड, दो पैन कार्ड और एक फर्जी समेत तीन आधार कार्ड बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ किदवई नगर थाने में आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।**

एसटीएफ लखनऊ के एडीसीपी विशाल विक्रम सिंह के मुताबिक गिरोह के सदस्य वेबसाइट बनाकर लोगों को दोगुना-तीन गुना मुनाफे का झांसा देते थे। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे वर्ष 2022 में पूणे (महाराष्ट्र) अपने मौसा महेंद्र केशरी के पास पहुंचे थे। जहां 'वेबट्रॉन टेक्नोलॉजी प्रा. लि.' के निदेशक रजनीश दुबे के माध्यम से वेबसाइट बनवाई।

वे 'भाग्यलक्ष्मी' नामक वेबसाइट से ठगी करते थे और वाट्सएप ग्रुप के जरिए अंकों की बिक्री का खेल चलाते थे। नकली दस्तावेजों से सिम कार्ड लेकर ये लोग 'दफन' वेबसाइट पर डेटा फीड करते थे और कम बिके नंबरों को विजेता घोषित कर मोटी रकम हड़प लेते थे। गिरोह का नेटवर्क वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, प्रयागराज समेत अन्य राज्यों तक फैला हुआ है।

एसटीएफ ने बताया कि आरोपितों के साथ महेंद्र केशरी, संदीप कटारिया, शिवम केशरी, सत्यम केशरी और संदीप पाठक भी इस नेटवर्क में शामिल हैं।

सभी की गिरफ्तारी के टीमें बनाई गई हैं। जल्द ही उनको भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पैसों के लेनदेन के लिए आरोपितों ने फर्जी फर्मों के नाम पर बैंक खाते खोले थे। एडीसीपी विशाल विक्रम सिंह ने कहा कि सभी खातों का ब्यौरा जुटाया जा रहा है ताकि ठगी की रकम की रिकवरी की जा सके।

# महर्षि वाल्मीकि जयंती पर थाना परिसर में गूंजे राम नाम के स्वर

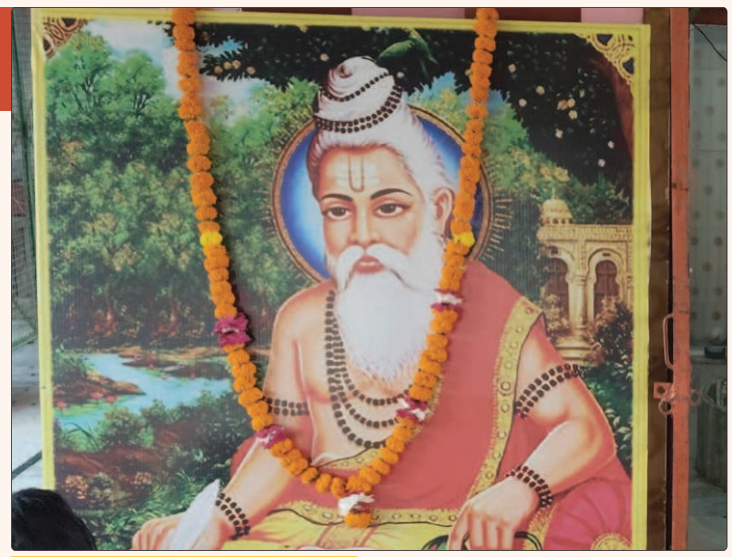

» तहसीलदार, एसीपी, कोतवाल समेत कई अफसर रहे मौजूद।

## आचार्य के रूप में नज़र आए एसडीएम संजीव दीक्षित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मंगलवार की शाम बिल्हौर थाना परिसर स्थित श्री हनुमान मंदिर में संगीतमय रामचरित मानस पाठ का भव्य आयोजन किया गया। भक्तिमय माहौल में हुए इस कार्यक्रम में क्षेत्र भर से श्रद्धालुओं समेत अधिकारी मौजूद रहे। पूरा थाना परिसर जय श्रीराम और बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा।

आयोजन की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना और वैदिक मंत्रोच्चार से हुई। मंदिर के आचार्य ने भगवान हनुमान की प्रतिमा का पूजन कराया, वहीं उपस्थित भक्तों ने पुष्प अर्पित कर आराधना की।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहे उपजिलाधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित, जो इस अवसर पर आचार्य के रूप में नज़र आए। उन्होंने स्वयं रामचरित मानस के सुंदरकांड का संगीतमय पाठ किया और भक्तिरस से ओत-प्रोत संवादों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पाठ के समापन पर आरती की गई। जिसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में दीपक जलाकर वातावरण को आलोकित किया गया।

कार्यक्रम में तहसीलदार अनुभव चंद्रा, एसीपी अमर नाथ यादव,कोतवाल अशोक कुमार सरोज, नायब तहसीलदार सीपी राजपूत, कानूनगो कीर्ति, पुलिसकर्मी, लेखपाल अधिवक्ता, समाजसेवी व नगर के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। सभी ने मिलकर महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके उपदेशों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में एसडीएम डॉ. दीक्षित ने कहा कि रामचरित मानस केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने की प्रेरणा है। उन्होंने सभी से समाज में सद्भाव और नैतिक मूल्यों को बनाए रखने का आह्वान किया।

# बरौली: दोना फैक्ट्री में भीषण आग, लाखों का सामान राख

### दमकल कर्मियों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। विकास खंड के ग्राम बरौली स्थित गुरु कृपा दोना फैक्ट्री में बुधवार की देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री धधक उठी। हादसे में लाखों रुपये का तैयार माल, कच्चा मटेरियल और मशीनें जलकर राख हो गईं।

जानकारी के अनुसार आग रात करीब 12:30 बजे के आसपास लगी। ग्रामीणों ने फैक्ट्री से उठता धुआं और आग की लपटें देख तुरंत पुलिस व दमकल विभाग को सूचना दी। मौके पर दमकल की छह गाड़ियां पहुंचीं और कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह करीब 9 बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका।

फैक्ट्री संचालक संजीव ने बताया कि आग से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि फैक्ट्री में रखा सारा तैयार माल और कच्चा सामान जल गया। यह दूसरी बार है जब उनकी फैक्ट्री में आग लगी है। कुछ वर्ष पहले भी ऐसी ही घटना हो चुकी है।आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

# दु:खद: बिल्हौर में इलाज के दौरान मासूम की मौत

### परिजनों ने लगाया झोलाछाप डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर(कानपुर)। शिवराजपुर क्षेत्र के रामकृष्ण नगर निवासी एक परिवार पर उस वक्त दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, जब इलाज के लिए बिल्हौर लाए गए 11 माह के मासूम की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर ने बिना जांच किए इंजेक्शन लगा दिया, जिससे बच्चे की हालत बिगड़ गई।

मासूम की मां आरती कटियार ने बताया कि उनके बेटे ऋषित को सूखा रोग होने की आशंका थी। आस-पड़ोस के लोगों की सलाह पर वह मंगलवार को बिल्हौर के लाल जी मार्केट में बैठे एक डॉक्टर उमेश के पास पहुंचीं। आरोप है कि डॉक्टर ने बच्चे की कोई जांच किए बिना इंजेक्शन लगा दिया, जिसके कुछ ही देर बाद बच्चे की तबीयत बिगड़ने लगी। इलाज के प्रयास से पहले ही उसकी मौत हो गई।

घटना से आक्रोशित परिजनों ने बच्चे का शव लेकर कोतवाली पहुंचकर हंगामा किया और आरोपित डॉक्टर को झोलाछाप बताते हुए उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की।

सूचना मिलते ही पुलिस ने हालात संभाले और मामले की जांच शुरू कर दी।कोतवाल अशोक कुमार सरोज ने बताया कि पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का असली कारण स्पष्ट हो सकेगा। खबर लिखे जाने तक शव का पोस्टमार्टम कराने को लेकर परिजन असमंजस में बने हुए थे।

स्वराज इंडिया

www.www.swarajindianews.com.com

वैचारिक मंच



## सम्पादकीय

# अपनी शर्तों पर ही शांति की पहल

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी।

साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया।

उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ।

पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा।

हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है।

तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

# आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

डॉ. जगदीप सिंह

**ऑपरेशन सिंदूर उद्दंड पड़ोसी से निबटने में भारत की रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। जिसका पहला बिंदु, देश के बाहर से आतंकी हमले के जवाब में सीमापार कड़ी सैन्य कार्रवाई करना है। यह पाकिस्तानी सेना को तय करना है कि सैन्य-जिहाद परिसर खत्म करे या फिर विनाशक संघर्ष भुगते। तीन दिन चले ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट हुआ कि अब फोकस सबूत सौंपने पर नहीं, बल्कि आतंकी नेटवर्क तोड़ने पर है।छह-सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ श्रृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई।**

भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में – पैमाने और दायरे में – काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं।

प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा।

भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषत- पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6-7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत-लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा-जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'ज्अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा।

द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य-जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही।

# जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है जिन्दगी

**मानवीय त्रासदी**

क्षमा शर्मा

**दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दुःख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं।टीवी स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चैनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चैनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी।**

वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों में आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज-चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार-छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं।दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दु:ख को भोगने

के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर-दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं।औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी, जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद, पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी-अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं।

हकीकत फिल्म जो चीन के साथ युद्ध पर बनी थी उसका गाना याद आता है-'हो के मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा।' यह गाना ऐसा है कि सुनते-सुनते रोना आ जाता है। इसे युद्ध के वक्त बर्फ में फंसे सैनिक गा रहे हैं और अपनी-अपनी पत्नियों के बारे में सोच रहे हैं। इसके विभिन्न शाट्स में उन सैनिकों की पत्नियों के हालात का वर्णन था। देवानंद, साधना द्वारा अभिनीत फिल्म हम दोनों का बड़ा हिस्सा भी इसी थीम पर है। जहां पति युद्ध में एक पांव गंवाकर आता है। उसे भरोसा नहीं है कि पत्नी उसे अपना लेगी। चार दिन चली इस लड़ाई में राजस्थान की सत्ताईस साल की किरण शेखावत युद्ध के मैदान में पहली शहीद होने वाली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसका खून से लथपथ शरीर देखकर रोंगटे खड़े हो गए थे। मदर्स डे पर उस महिला के बारे में भी छपा है, जिसने पति की मृत्यु के वक्त अपने बेटे को तमाम तरह के कष्ट झेलकर पाला।

# बिल्हौर के कई गांवों में चकबंदी शुरू होने से घमासान

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र के 35 ग्रामों में चल रही चकबंदी प्रक्रिया अब तूल पकड़ती जा रही है। सबसे ज्यादा विवाद ग्राम मनोह में देखने को मिल रहा है, जहाँ अवैध कब्जेदारों और अराजक तत्वों ने चकबंदी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।ग्राम प्रधान अनुराग मिश्रा ने बताया कि मनोह ग्राम में चकबंदी की प्रक्रिया वर्ष 2015 से प्रारंभ हुई थी, और उस समय 90त्न ग्रामीणों ने चकबंदी के पक्ष में समर्थन किया था। लेकिन अब, जिन लोगों ने ग्राम सभा की भूमि पर अवैध कब्जा कर रखा है – वही लोग चकबंदी रुकवाने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। कुछ किसान तो अब किसान यूनियन के बैनर तले आंदोलन की तैयारी में हैं, ताकि अपनी अधिक जोती गई जमीन बचा सकें।**

» मनोह ग्राम में सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जेदारों का विरोध तेज, ग्राम प्रधान ने अराजक तत्वों को उठाई आवाज

सरकारी जमीन पर कब्जा करने के खिलाफ आवाज उठाते ग्रामीण

प्रधान मिश्रा ने बताया कि वर्ष 2022-23 में बंदोबस्त अधिकारी द्वारा फॉर्म-6 के 700 प्रपत्र वितरित किए गए, जिनमें से 685 किसानों ने प्रपत्र जमा किए। इनमें से 462 किसानों ने चकबंदी के पक्ष में अपना मत दिया, जबकि 223 किसान विरोध में पाए गए। रिपोर्ट शासन को भेजने के बाद चकबंदी की प्रक्रिया फिर से शुरू हुई, जो अब अंतिम चरण (धारा 23 प्रकाशन) पर पहुँच चुकी है।प्रधान ने आरोप लगाया कि, जिन अराजक तत्वों ने ग्राम सभा की सैकड़ों बीघा दलित और गरीब किसानों की जमीन पर कब्जा कर रखा है, वही अब माहौल बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। हम शासन से मांग करते हैं कि ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि चकबंदी शांतिपूर्वक पूरी हो सके।मनोह ग्राम में वर्ष 2004 में ग्राम सभा की 66 पट्टे आवंटित किए गए थे। इन पट्टों के पक्ष में कमिश्नर, एडीएम और चकबंदी अधिकारी तक के आदेश मौजूद हैं। बावजूद इसके, कुछ तत्व भ्रामक सूचना फैलाकर ग्रामीणों को गुमराह कर रहे हैं।

**गाँव में अब माहौल गरम है**

एक ओर गरीब व वास्तविक किसान हैं जो वर्षों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वे लोग हैं जो अवैध कब्जे के दम पर चकबंदी रोकने की कोशिश में लगे हैं। प्रशासन यदि समय रहते कार्रवाई नहीं करता, तो मनोह सहित पूरे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है। स्वराज इंडिया अखबार गाँव-गाँव की सच्ची आवाज़ उठाने का संकल्प दोहराता है —

जिसकी जमीन, उसी का हक — चकबंदी से विकास की दिशा तय होगी।

# अवैध प्लाटिंग के खिलाफ जल्द कार्रवाई, जांच कमेटी होगी गठित

» सदर एसडीएम करेंगे जांच कमेटी गठित, डीएम के संज्ञान में पहुंचा पूरा मामला

» सूत्रों के मुताबिक खनन माफियाओं को दिया गया मिट्टी डालने का ठेका

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। सदर तहसील क्षेत्र के राजस्व ग्राम पंचायत सुरार में ग्राम समाज की कीमती ऊसर भूमि पर लंबे समय से भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जा और प्लाटिंग का खेल चल रहा है। ग्राम प्रधान पंकज यादव ने इस मामले की लिखित शिकायत सदर एसडीएम से की थी, जिसमें क्षेत्रीय लेखपाल अनिल कुमार पर भ्रष्टाचार और माफियाओं से मिलीभगत के गंभीर आरोप लगाए गए थे।

शिकायत में उल्लेख किया गया कि ग्राम पंचायत की आराजी संख्या 608 और 613, जिसकी कुल क्षेत्रफल लगभग 2.5 हेक्टेयर है, पर प्रॉपर्टी डीलर वीर बहादुर यादव और महेंद्र यादव ने कब्जा कर लिया है। इसके अलावा आराजी संख्या 610 और 607 की ग्राम समाज की भूमि भी प्लाटिंग के लिए भू-माफियाओं के कब्जे में हैं। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि लेखपाल और माफियाओं की मिलीभगत के चलते फर्जी शिकायतें दर्ज कर सकारात्मक रिपोर्ट लगाई जा रही हैं, जिससे कानूनी कार्रवाई न हो सके।सूत्रों की जानकारी के अनुसार अब सदर एसडीएम सख्त अधिकारियों की एक जांच कमेटी गठित करेंगे, जो पूरे प्रकरण की गहन जांच करेगी। जांच में यह भी देखा जाएगा कि बरसात के बाद प्लाटिंग वाली ऊसर भूमि को भरने के लिए भू-माफियाओं द्वारा अवैध खनन करके मिट्टी डालने का ठेका किसके कहने पर किसको दिया गया है।स्वराज इंडिया की खबर के बाद यह मामला डीएम कानपुर के संज्ञान में भी आया है। अधिकारी इस बात को गंभीरता से ले रहे हैं और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। ग्राम प्रधान पंकज यादव ने आशा जताई है कि प्रशासन की सख्ती से भविष्य में ग्राम समाज की भूमि सुरक्षित रहेगी और भू-माफियाओं की मनमानी पर रोक लगेगी।

# कार्तिक मास में तुलसी पूजन से मिलती है भगवान विष्णु की अपार कृपा

» तुलसीकाष्ठ माला धारण से होते हैं पापों का नाश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**कानपुर। सनातन परंपरा में कार्तिक मास को विशेष रूप से भगवान विष्णु की उपासना का महीना माना गया है। इस पवित्र माह में तुलसी पूजन, दीपदान और स्नान का अत्यंत धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार, जो भक्त प्रातः स्नान कर तुलसीदल से भगवान विष्णु का पूजन करता है, वह निश्चय ही मोक्ष प्राप्त करता है।**

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख है कि तुलसी का आधा पत्ता भी यदि श्रद्धापूर्वक भगवान विष्णु को अर्पित किया जाए तो वे प्रसन्न होकर भक्त को दर्शन देते हैं। स्कंद पुराण के अनुसार, भक्त विष्णुदास ने तुलसी पूजन के प्रभाव से शीघ्र ही विष्णुधाम प्राप्त किया, जबकि राजा चौल उनकी तुलना में गौण रह गए।

**तुलसीवन है पवित्र तीर्थ समान**

कहा गया है कि जिसके घर में तुलसी का पौधा या बगीचा होता है, उसका घर तीर्थ के समान पवित्र माना जाता है। ऐसे स्थान पर यमराज प्रवेश नहीं करते। तुलसीवन को पापों का नाश करने वाला, पुण्यदायक और अभीष्ट फल देने वाला बताया गया है। जहाँ तुलसीवन की छाया पड़ती है, वहीं श्राद्ध करने से पितर तृप्त होते हैं।

स्कंद पुराण में भगवान विष्णु स्वयं कहते हैं— जो भक्त तुलसी काष्ठ की माला मुझे भक्तिपूर्वक अर्पित कर प्रसाद रूप में धारण करता है, उसके समस्त पापों का नाश हो जाता है।

अतः कार्तिक मास में तुलसीकाष्ठ माला धारण करने से न केवल पापों का क्षय होता है, बल्कि व्यक्ति के जीवन में शांति, सुख और आध्यात्मिक उन्नति का संचार होता है।सनातन धर्म के प्रचारक और धर्म ग्रंथो के विशेषज्ञ पंडित धर्मेंद्र शुक्ला ने कहा कि इस कार्तिक मास में प्रत्येक व्यक्ति को अपने घर में तुलसी का पौधा अवश्य लगाना चाहिए, प्रातः-सायं दीपदान कर भगवान विष्णु का पूजन करना चाहिए। तुलसी पूजन से जीवन में सद्भाव, समृद्धि और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

# यमुना में नहाने गईं दो सहेलियां डूबीं, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। अमराहट थाना क्षेत्र में बुधवार को यमुना नदी में नहाने गईं दो सहेलियां डूब गईं। बताया जा रहा है कि एक युवती के डूबने पर दूसरी ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज बहाव में वह भी बह गई। घटना टेसू और झूझिया लोक पर्व के विसर्जन के तुरंत बाद

» एक सहेली ने दूसरी को बचाने की कोशिश में गंवाई जान

» अमराहट क्षेत्र के बिलासपुर गांव के पास हादसे से छाया मातम

हुई।जानकारी के अनुसार, बिलासपुर गांव की आठ युवतियां यमुना नदी में विसर्जन के बाद स्नान कर रही थीं। इसी दौरान हादसा हो गया। साथ मौजूद सहेलियों ने शोर मचाकर गांव वालों को सूचना दी। स्थानीय गोताखोरों ने तत्काल नदी में उतरकर तलाश शुरू कर दी। घटना की सूचना मिलते ही अमराहट पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया है। समाचार लिखने तक दोनों सहेलियों की तलाश जारी थी।

# कानपुर नगर निगम सदन की बैठक में हुई जमकर चर्चा

## शहर विकास को लेकर पार्षदों ने रखी मजबूत आवाज, दीपावली से पहले जगमगाने की तैयारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। शहर के विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से नगर निगम सदन की बैठक में पार्षदों ने एक स्वर में कई अहम मुद्दे उठाए। बैठक में हाउस टैक्स में गड़बड़ी, सफाई व्यवस्था, मार्ग प्रकाश और पार्षद निधि के कार्यों को शीघ्र पूरा कराने पर जोर दिया गया।पार्षद शिवम दीक्षित ने जन्म प्रमाण पत्र से जुड़ी जनसमस्याओं को उठाते हुए कहा कि लोग दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही। आकर्ष बाजपेई ने दीपावली से पहले पूरे शहर में मार्ग प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि त्योहार पर पूरा कानपुर जगमगाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए प्रत्येक पार्षद को वार्डवार जानकारी दी जाए।**

सौरभ देव ने चुन्नीगंज के कन्वेंशन सेंटर को नगर निगम के अधीन करने का प्रस्ताव रखा, जिस पर नगर आयुक्त सुधीर कुमार ने कहा कि यह फिलहाल स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत है और शीघ्र निर्णय लिया जाएगा।

राज किशोर यादव ने हर वार्ड में सफाई कर्मचारियों के लिए बेहतर सुविधाओं की व्यवस्था पर जोर दिया। वहीं सोहेल अहमद ने कहा कि पार्षदों को मिले 30 लाख रुपये के कोटे से जुड़े कार्य जल्द पूरे कराए जाएं।

बैठक के दौरान पक्ष और विपक्ष दोनों ने मिलकर नागरिक हितों से जुड़े मुद्दों पर सवाल उठाए। मेयर प्रमिला पांडेय ने बताया कि सदन में बजट को कुछ संशोधनों के साथ पारित कर दिया गया है, जिससे विकास कार्यों में और तेजी आएगी।विधायक सुरेंद्र मैथानी ने शास्त्री नगर कालोनियों में हाउस टैक्स के मामले पर नगर निगम से ठोस कार्रवाई की मांग की।बैठक में पार्षद पप्पू पांडेय, नवीन पंडित, धीरू त्रिपाठी, लियाकत अली, अरविंद यादव, कुंती राम विलास निषाद, कल्पना राकेश निषाद और नीरज कुरील समेत अनेक जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

नगर निगम सदन की यह बैठक शहर के सर्वांगीण विकास की दिशा में सकारात्मक पहल के रूप में देखी जा रही है। दीपावली से पहले जहां सड़कों पर रोशनी बढ़ेगी, वहीं नागरिक सुविधाओं में सुधार की उम्मीद भी जगी है।

**पार्षद शिबू अंसारी ने कहा कि फाइल में आपत्ति लगाते हैं**

वार्ड 104 के पार्षद शिबू अंसारी ने कहा कि नगर आयुक्त सुधीर कुमार के द्वारा फाइलों में आपत्ति लगा दी जाती है। नगर आयुक्त ने कहा कि शासन ने हमे इसी लिए बैठाया है।

# तालाब में घुस गई तेज रफ्तार कार, 4 की मौत 5 घायल

**» विवाह समारोह से लौट रहे थे प्रयागराज के युवक, चालक की झपकी बनी हादसे की वजह**

**» कल्याणपुर के बड़ौरी टोल प्लाजा के पास तड़के हुआ दर्दनाक सड़क हादसा**

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

फतेहपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के बड़ौरी टोल प्लाजा के पास एक भीषण सडक़ हादसा हो गया। विवाह समारोह से लौट रही कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे तालाब में जा गिरी। हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) महेंद्र पाल सिंह के मुताबिक, मृतक सभी प्रयागराज के खुल्दाबाद क्षेत्र के लकड़मंडी इलाके के निवासी थे। वे मंगलवार रात कानपुर के मोतीझील में आयोजित सर्व समाज के विवाह सम्मेलन में शामिल होकर वापस लौट रहे थे। बुधवार सुबह करीब चार बजे चालक को झपकी आने से वाहन अनियंत्रित हुआ और तालाब में जा गिरा। हादसे में ननकी सोनकर (32), शिवम साहू (35), राहुल केसरवानी (33) और साहिल गुप्ता (28) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि राहुल गुप्ता (35), अमित कुमार विश्वकर्मा (30), नीरज पाल (30), सुमित (22) और महेश केसरवानी (32) गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की सूचना पर कल्याणपुर पुलिस टीम व गोताखोर मौके पर पहुंचे और कार को तालाब से बाहर निकाला गया। घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा गया, वहीं मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए।

### चालक को आ गई झपकी

**एएसपी महेंद्र पाल सिंह ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में चालक की झपकी को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस अन्य संभावित कारणों की भी जांच कर रही है। इस भीषण हादसे से प्रयागराज में चार परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।**

# उन्नाव के परियर में मवेशियों का कब्ज़ा, हादसों के खतरे पर प्रशासन मौन!

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

उन्नाव। परियर चौराहे पर छुट्टा मवेशियों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। शाम ढलते ही चौराहे पर गाय-भैंसों का जमावड़ा लग जाता है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए निकलना दुश्वार हो जाता है। कई बार अचानक सडक़ पर मवेशी आ जाने से वाहन चालक संतुलन खो बैठते हैं और दुर्घटनाएं आम बात बन गई हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्होंने कई बार नगर पंचायत और संबंधित विभाग को शिकायत दी, लेकिन जिम्मेदारों ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया।

लगातार हो रही इन घटनाओं से लोगों में आक्रोश है। राहगीरों का कहना है कि यदि जल्द ही छुट्टा मवेशियों की समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया, तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि परियर चौराहे सहित आस-पास के इलाकों से छुट्टा मवेशियों को हटवाकर गौशालाओं में पहुंचाया जाए, ताकि राहगीरों को राहत मिल सके।

# 24 घंटे में मूसानगर पुलिस ने किया शिवलिंग चोरी का खुलासा

» अभियुक्त गिरफ्तार, मंदिर से चोरी हुई पिण्डी बरामद

» चांदी के सिक्कों के लालच में मंदिर से उखाड़ा था शिवलिंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना मूसानगर पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर शिवलिंग चोरी के मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने चोरी में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर मंदिर से चोरी की गई शिवलिंग की पिण्डी बरामद कर ली है। जानकारी के अनुसार, 6 अक्टूबर की

**सुबह करीब 6 बजे कस्बा मूसानगर के मोहल्ला गढ़ स्थित राधाकृष्ण मंदिर से शिवलिंग की पिण्डी चोरी होने की सूचना पुलिस को मिली थी।**

मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी भोगनीपुर और थानाध्यक्ष मूसानगर मौके पर पहुंचे और फील्ड यूनिट की मदद से साक्ष्य संकलन किया गया। जनसहयोग से मंदिर में नई शिवलिंग पिण्डी की स्थापना भी कराई गई। 7 अक्टूबर को राजकुमार तिवारी निवासी मुक्तादेवी धाम की तहरीर पर थाना मूसानगर में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर आरोपी अंशू तिवारी उर्फ विकास कुमार तिवारी निवासी मुक्तानगर, मूसानगर को 8 अक्टूबर को हलिया मोड़ तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह शराब का आदी है और शिवलिंग के नीचे चांदी या सोने के सिक्के मिलने की उम्मीद में उसने पिण्डी उखाड़ ली थी। जब कुछ नहीं मिला तो उसने पिण्डी को मंदिर के सामने स्थित कुएं में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर पिण्डी को बरामद कर लिया। थाना मूसानगर पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों ने सराहना की है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

# सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत जिताई का पुरवा निवासी दिनेश सिंह गौर का 22 वर्षीय नागेंद्र सिंह दो दिन पूर्व बाइक से अपने घर वापस जा रहा था तभी असालतगंज के निकट छुइया नाला के पास विपरीत दिशा से आई पिकअप ने टक्कर मार दी।

जिससे वह बाइक सहित डामर रोड पर गिरा। उसके सिर में अधिक चोटे आने के कारण सीएचसी से हैलट रेफर किया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक का शव जब घर पहुंचा तो परिवार में मातम छा गया।

# इलाज के दौरान विवाहिता ने तोड़ा दम, भाई ने लगाया हत्या का आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» मायके पक्ष को सूचना न देने से भड़के परिजन, पुलिस जांच में बीमारी से मौत की पुष्टि, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

कानपुर देहात (माती)। गजनेर थाना क्षेत्र के दिलावलपुर गांव में एक विवाहिता और उसके नवजात शिशु की मौत से गांव में हड़कंप मच गया। मायके पक्ष को जानकारी न देने से नाराज मृतका के भाई ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। फोरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए।करीयाझा थाना क्षेत्र के झींझक निवासी वर्षा (25) की शादी करीब छह साल पहले दिलावलपुर गांव के अरुण कुमार संखवार के साथ हुई थी।

परिजनों के मुताबिक, वर्षा काफी समय से बीमार चल रही थीं और गर्भवती भी थीं। बीते 5 अक्टूबर को हालत बिगड़ने पर ससुराल पक्ष के लोगों ने उसे माती स्थित मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां से उसे हैलट अस्पताल रेफर किया गया।सोमवार को वर्षा ने हैलट अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया, लेकिन बच्चा अस्वस्थ था और कुछ घंटों बाद उसकी मौत हो गई। बच्चे का अंतिम संस्कार उसी दिन कर दिया गया। देर शाम वर्षा की भी हालत अचानक बिगड़ गई और इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया।बताया जा रहा है कि ससुराल पक्ष ने वर्षा की मौत की सूचना मायके वालों को नहीं दी। जब मायके पक्ष को अन्य माध्यम से यह खबर मिली तो वर्षा की मां गंगाजली और भाई गोविंद गांव पहुंचे। भाई ने बहन की हत्या का आरोप लगाते हुए यूपी 112 पर सूचना दी।थाना प्रभारी जनार्दन प्रताप सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में यह मामला बीमारी से हुई मौत का प्रतीत हो रहा है। हत्या का कोई सबूत नहीं मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# 16 लाख लगाकर बना एमआरएफ सेंटर अब बन गया कबाड़घर !

**» रसूलाबाद में कूड़ा निस्तारण योजना ठप, लाखों की मशीनें जंग खा रही**

**» ईओ बोले सेंटर चालू है, जबकि सभासदों ने बताया अब तक नहीं हुआ संचालन**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।रसूलाबाद नगर पंचायत के विकास नगर मोहल्ले में करीब 16 लाख रुपये की लागत से तैयार हुआ एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर अब उपेक्षा का शिकार हो गया है। कूड़ा निस्तारण के लिए बनाई गई यह परियोजना शुरुआत से ही ठप पड़ी है। नतीजा यह है कि सेंटर में लगी लाखों की मशीनें धीरे-धीरे खराब और बेकार होती जा रही हैं।शासन की मंशा थी कि इस सेंटर के जरिए नगर क्षेत्र में प्रतिदिन निकलने वाले करीब 4 टन कचरे को प्रोसेस कर खाद और पुनर्चक्रण योग्य सामग्री तैयार की जाए।

परंतु नगर पंचायत प्रशासन की लापरवाही के चलते योजना कागजों तक सीमित रह गई है। सफाई कर्मी कूड़ा एमआरएफ सेंटर तक पहुंचाने के बजाय कानपुर रोड और बिल्हौर मार्ग किनारे फेंक रहे हैं, जिससे मुख्य सड?ों पर गंदगी और बदबू फैल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केंद्र शुरू न होने से संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। कई सभासदों ने भी साफ कहा कि सेंटर आज तक चालू नहीं हुआ, सारा पैसा बर्बाद हो गया।

## क्या बोले ईओ

जब इस बारे में ईओ रसूलाबाद से सवाल किया गया तो उनका कहना था कि बरसात के मौसम में कचरा गीला होने के कारण सेंटर फिलहाल संचालित नहीं हो पा रहा है। लेकिन मौके की तस्वीरें और स्थानीय हालात ईओ के दावों को झूठा साबित कर रहे हैं क्योंकि सेंटर के आस-पास झाड?ां उग आई हैं और वहां कोई भी गतिविधि नहीं दिख रही।नगर पंचायत की यह अनदेखी न केवल स्वच्छ भारत मिशन की भावना का मज़ाक बना रही है बल्कि यह भी सवाल खड़ा करती है कि आखिर सरकारी धन का हिसाब कौन देगा?

# अकबरपुर में धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मंगलवार, 7 अक्टूबर को अयोध्या नगर में महर्षि वाल्मीकि जयंती बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाई गई। जयंती शोभायात्रा कस्बे की विभिन्न सड़कों से गुज़री, जिसमें डीजे की धुन पर कलाकारों ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में नगर के सभासद बबलू भारती ने महर्षि वाल्मीकि जी की आरती कर उनके जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने अपने जीवन से समाज को सत्य, धर्म और मानवता का मार्ग दिखाया है।इस अवसर पर सभासद सुनील राजपूत, रामपाल नायक, शिव सिंह नायक, आदेश यादव सहित समिति के अध्यक्ष पंकज वाल्मीकि ने सभी अतिथियों का सम्मान किया।

कार्यक्रम में पप्पू वाल्मीकि, पूर्व सभासद राहुल वाल्मीकि, अनूप कुमार, रामजी, मनोज वाल्मीकि, रामबाबू वाल्मीकि, जग्गू, राधेलाल, रोहित, बल्लू वाल्मीकि, गुड्डन, विजय, रमेश नायक सहित सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती को सफल बनाया।सम्पूर्ण कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोगों में उल्लास और भक्ति का वातावरण बना रहा।

# नाबालिगों पर पुलिस की गलत कार्यवाही का खुलासा

**एसडीएम भोगनीपुर ने पुलिस रिपोर्ट को किया निरस्त**

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उप जिलाधिकारी भोगनीपुर देवेंद्र सिंह ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए थाना भोगनीपुर पुलिस द्वारा प्रस्तुत दोषपूर्ण चालानी रिपोर्ट को निरस्त कर दिया है। यह मामला वाद संख्या 5855/2025 अंतर्गत धारा 170/126/135 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (B.N.S.S.) 2023 से संबंधित था।

मामला ग्राम टोडरपुर का है, जहां तालाब की अवैध कब्जेदारी को लेकर दो पक्षों में विवाद की स्थिति बनी थी। इस दौरान पुलिस द्वारा निवारक कार्यवाही करते हुए कई लोगों के विरुद्ध चालान किया गया था, जिनमें दो नाबालिग — हिमांशु पुत्र रामप्रकाश (17 वर्ष) और अमन खां पुत्र लईक खां (17 वर्ष) को भी अभियुक्त बना दिया गया था।

न्यायालय में पेश हुए प्रतिवादी कादिर खां ने अपने प्रार्थना पत्र में पुलिस कार्रवाई को बिना जांच के की गई दोषपूर्ण कार्यवाही बताया। सुनवाई के दौरान नाबालिगों के आधार कार्ड प्रस्तुत किए गए, जिनसे उनकी उम्र स्पष्ट रूप से 18 वर्ष से कम पाई गई।

सुनवाई के दौरान चौकी देवीपुर के उपनिरीक्षक अभिषेक चौहान ने स्वीकार किया कि उन्होंने मौके पर दोनों पक्षों की कहासुनी देखकर निवारक कार्यवाही की थी, परंतु बाद में नाबालिगों की वास्तविक उम्र की पुष्टि नहीं की गई।

SDM देवेंद्र सिंह ने पुलिस रिपोर्ट को विधि विरुद्ध और त्रुटिपूर्ण मानते हुए नाबालिगों के विरुद्ध जारी नोटिस दिनांक 29 अगस्त 2025 को वापस लेने का आदेश दिया।

साथ ही, संबंधित उपनिरीक्षक व थाना प्रभारी को भविष्य में चालानी रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले स्थलीय निरीक्षण व तथ्यों का परीक्षण अनिवार्य रूप से करने की चेतावनी दी है।

# आईआईटी छात्र धीरज सैनी की मौत की रिपोर्ट एनएचआरसी में दाखिल

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

## आईआईटी प्रशासन पर उठे गंभीर सवाल , दो दिन शव फंदे से लटका रहा, पर किसी को भनक तक नहीं! सुरक्षा तंत्र पर गंभीर सवाल!

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

**कानपुर। आईआईटी कानपुर के बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र धीरज सैनी की मौत के मामले में अब नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन (एनएचआरसी) ने संज्ञान लिया है।इस घटना की रिपोर्ट आवास विकास, केशवपुरम निवासी सोशल एक्टिविस्ट और आईटी इंजीनियर पंकज कुमार सिंह ने आयोग में दाखिल की है। रिपोर्ट में पुलिस के बयानों, समाचार पत्रों की कतरनों और घटनाक्रम का विस्तृत ब्यौरा संलग्न किया गया है।पंकज सिंह ने यह रिपोर्ट अपनी पहले से लंबित याचिका–जिसमें 2024 में हुई तीन छात्रों की आत्महत्याओं की जांच की मांग की गई थी–के साथ समाहित करते हुए धीरज सैनी की मौत की स्वतंत्र जांच और न्याय की मांग की है।**

याचिकाकर्ता इंजीनियर पंकज कुमार सिंह

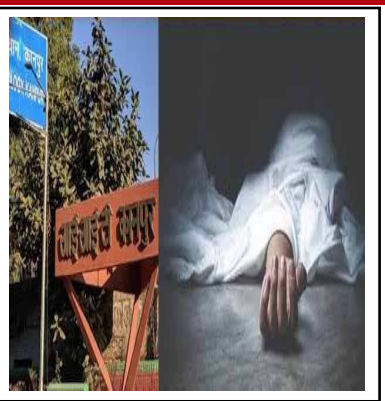

याचिका में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि धीरज सैनी का शव दो से तीन दिन तक कमरे में फंदे से लटका रहा, और जब कमरे से बदबू आने लगी तब जाकर घटना का पता चला।इस पर पंकज सिंह ने सवाल उठाया है कि जब आईआईटी प्रशासन 24 घंटे छात्रों की निगरानी और काउंसलिंग सुविधा का दावा करता है, तो फिर इतनी बड़ी घटना की किसी को खबर क्यों नहीं लगी?परिजनों ने भी आईआईटी प्रशासन की लापरवाही का आरोप लगाया है। पंकज सिंह ने आयोग को भेजी रिपोर्ट में कहा कि संस्थान की छात्र सुरक्षा और आत्महत्या रोकथाम की नीतियां केवल कागज़ी बयानबाजी साबित हो रही हैं।दाखिल यह रिपोर्ट अब आईआईटी प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। आयोग से उम्मीद है कि वह संस्थान में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर ठोस और पारदर्शी जांच के निर्देश देगा।

### आईआईटी ने खुद कबूली जानकारी का अभाव

सोशल एक्टिविस्ट पंकज सिंह द्वारा सूचना के अधिकार के तहत आत्महत्याओं का पूरा ब्यौरा मांगा गया तो संस्थान ने यह कहकर जानकारी देने से इनकार कर दिया कि 2018 से पहले के आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।असिस्टेंट रजिस्ट्रार प्रकल्प शर्मा के हवाले से दी गई जानकारी में केवल वर्ष 2018 में 1, वर्ष 2022 में 1, और वर्ष 2024 में 2 आत्महत्याओं की घटनाएं बताई गईं। संस्थान ने 2005 तक की सूचनाओं के लिए केन्द्रीय सूचना आयोग से संपर्क करने को कहा। पुलिस के पास भी पूर्ण आंकड़े नहीं हैं। पंकज सिंह का कहना है कि अपने ही छात्रों की मौत पर आंकड़े छिपाना और जिम्मेदारी से बचना आईआईटी प्रशासन की संवेदनहीनता को दर्शाता है।

आईआईटी के दावों पर एनएचआरसी में दाखिल की गई टिप्पणी,एनएचआरसी में सुनवाई के दौरान आईआईटी कानपुर की ओर से कुलसचिव विश्वरंजन ने 18 बिंदुओं की रिपोर्ट प्रस्तुत कर कहा कि संस्थान में 24 घंटे उपलब्ध काउंसलर्स की टीम है,सुसाइड प्रिवेंशन ऑफ इंडिया फाउंडेशन के साथ मिलकर मेंटल हेल्थ वर्कशॉप्स आयोजित की जाती हैं।हालांकि पंकज सिंह ने 27 जुलाई 2025 को दाखिल अपनी टिप्पणी में इन दावों को कागज़ी और दिखावटी बताया।उनका कहना है कि धीरज सैनी की मौत ने आईआईटी प्रशासन के सारे दावों की पोल खोल दी है।

### 20 वर्षों से जारी छात्रों की मौत का सिलसिला

आईआईटी कानपुर में पिछले 20 वर्षों से छात्रों की मौत के मामले लगातार सामने आते रहे हैं।

कुछ प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं –

20 दिसंबर 2023- डॉ. पल्लवी चिल्का (बायो इंजीनियरिंग) ने आत्महत्या की।

10 जनवरी 2024- एयरोस्पेस के छात्र विकास मीणा की मौत।

18 जनवरी 2024-केमिकल इंजीनियरिंग शोधार्थी प्रियंका जायसवाल फंदे से लटकी मिलीं।

10 अक्टूबर 2024-शोधार्थी प्रगति की आत्महत्या।

10 फरवरी 2025-सॉफ्टवेयर इंजीनियर दीपक चौधरी की मौत।

1 अक्टूबर 2025-बीटेक अंतिम वर्ष के छात्र धीरज सैनी की मौत।

केवल दो वर्षों में छह से अधिक आत्महत्याओं ने आईआईटी के मेंटल हेल्थ सपोर्ट सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

## रश्मि सिंह बनी एक दिन की जिलाधिकारी

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

चित्रकूट। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत बुधवार को एक दिन के लिए राजकीय बालिका इंटर कालेज कर्वी की छात्रा कुमारी रश्मि सिंह को जिलाधिकारी चित्रकूट बनाया गया। जिलाधिकारी कुमारी रश्मि सिंह ने जनपद से आए फरियादियों की समस्याओं को सुना, जिसमें गोपाल शर्मा पुत्र नया बाजार जगदीश गंज थाना कोतवाली कर्वी के सरफेसी अधिनियम के मामले, कमलेश ,भूरे लाल, भोला, राजाराम, सुरजपाल के प्रधानमंत्री ग्रामीण विद्युत योजना (सौभाग्य योजना) से संबंधित, बिंदा पुत्र शिवराम गुरौला चुरेह कसेरूवा तहसील मानिकपुर का जमीन संबंधी, सहोद्रा पत्नी लल्लू कर्वी का गंभीर बीमारी के इलाज संबंधी प्रकरणों को सुना। उन्होंने फोन पर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो भी प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए हैं उसका निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप गुणवत्ता पूर्ण कराए।

इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम के चेंबर में भी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय मानिकपुर की कक्षा आठवीं के कुमारी मेनका को अपर जिला अधिकारी बनाया गया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत जनपद के सभी विभागों में एक दिवसीय संबंधित विभाग के अधिकारी बनाई गई ।

इस मौके पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी एन,अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल कुमार यादव, अपर उप जिलाधिकारी अजय यादव, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्रीमती प्रगति गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

# खाटू श्याम मंदिर में राष्ट्रीय चिंतन शिविर लगा किसानों की समस्याओं पर मंथन

**» सत्यभान चौहान के नेतृत्व में किसानों के मुद्दों पर राष्ट्रीय मंच सक्रिय**

**» किसानों की पेंशन, मुफ्त इलाज और बाढ़ राहत सहित अन्य मुद्दों पर संगठन ने जताई गंभीर चिंता**

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

राजस्थान। जय जवान जय किसान लोक संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यभान चौहान अग्निबंशी के नेतृत्व में तीसरा राष्ट्रीय चिंतन शिविर राजस्थान के खाटू श्याम बाबा की नगरी में स्थित शीश के दानी मंदिर के पीठाधीश्वर गुरुजी श्याम दास महंत 1008 के आश्रम में आयोजित किया गया। इस शिविर में पूरे देश से लगभग 2000 से अधिक पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।शिविर में राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यभान चौहान ने किसानों के सामने संगठन की पांच प्रमुख मांगों पर जोर दिया। पहली मांग किसानों के लिए 5,000 रुपए मासिक पेंशन योजना की थी। दूसरी मांग किसानों को मुफ्त इलाज की सुविधा देने की रही। तीसरी मांग बाढ़ पीड़ित क्षेत्रों में नुकसान की भरपाई के लिए तत्काल कदम उठाने की थी। चौथी मांग में किसानों के खेत की मिट्टी को निजी कार्यों के लिए उपयोग करने पर कोई पुलिस या प्रशासनिक रोक न लगाई जाए, इसे सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया। पांचवीं मांग में संगठन ने टोल प्लाजा पर किसानों की गाड़ियों के अवरोध और उत्पीड़न को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया।शिविर में देशभर से संगठन के पदाधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हुए। फर्रुखाबाद से जिला अध्यक्ष कमलेश राजपूत, कानपुर से मंडल अध्यक्ष जोगम राजपूत, इटावा से राष्ट्रीय प्रभारी सुमन चौहान, झारखंड से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आरती सिंह, फरीदाबाद से राष्ट्रीय सचिव सुनीता सिंह, उत्तराखंड से प्रदेश अध्यक्ष संजय धीमान सहित अन्य कई राज्यों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संगठन के सभी कार्यकर्ताओं ने किसानों के हित में खुलकर विचार व्यक्त किए और अपने-अपने अनुभव साझा किए।संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पंडित संदीप शर्मा उर्फ बाबा हनुमान दास ने किसानों के अधिकारों की सुरक्षा और संगठन की नीति को व्यापक रूप से समझाया। शिविर में आने वाले चौथे चिंतन शिविर की भी घोषणा की गई, जो तीन महीने बाद अयोध्या में आयोजित होगा।

सुमन चौहान, राष्ट्रीय प्रभारी के नेतृत्व में इस कार्यक्रम में सभी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई और किसानों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए संगठन की प्रतिबद्धता को दोहराया।

# अयोध्या में दक्षिण भारत की भक्ति परंपरा का संगम

**» त्यागराज, पुरंदरदास और अरुणाचल कवि की मूर्तियों की प्रतिष्ठा**

**» बृहस्पति कुंड पर रचा जा रहा भक्ति का नया इतिहास**

**» अयोध्या में गूंजेगा दक्षिण भारतीय संतों की भक्ति का स्वर**

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

अयोध्या।मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की नगरी अयोध्या में बुधवार को एक अद्भुत आध्यात्मिक संगम देखने को मिलेगा। बृहस्पति कुंड परिसर में दक्षिण भारत की भक्ति, संगीत और साहित्य की त्रिवेणी के तीन महान संत, संत त्यागराज, संत पुरंदरदास और अरुणाचल कवि की मूर्तियों की प्रतिष्ठा होने जा रही है। यह आयोजन केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि उत्तर और दक्षिण भारत की सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बनकर इतिहास रचेगा।सातवीं से सत्रहवीं शताब्दी तक चले भक्ति आंदोलन ने भारतीय समाज में श्रद्धा, समानता और प्रेम का स्वर फूँका। उत्तर भारत में जहाँ जगद्गुरु रामानंदाचार्य ने रामभक्ति का दीप प्रज्वलित किया, वहीं दक्षिण भारत में संत त्यागराज, पुरंदरदास और अरुणाचल कवि ने भक्ति को संगीत और काव्य के सुरों में पिरोया। संत त्यागराज, जिन्हें 'दक्षिण का तुलसी' कहा जाता है, ने नमो नमो राघवैया जैसे अमर गीतों से रामनाम की साधना की। संत पुरंदरदास को 'कर्नाटक संगीत का पितामह' माना जाता है, जिन्होंने पौने पाँच लाख कीर्तन रचकर भक्ति को

स्वर दिया। वहीं अरुणाचल कवि ने तमिल भाषा में रामायण को गीतों के रूप में जन-जन तक पहुँचाया और राम नाटकम जैसी अमर कृति रची। इन तीनों संतों की मूर्तियों की अयोध्या में प्रतिष्ठा

न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि यह सन्देश भी देती है कि भक्ति की कोई भाषा नहीं होती चाहे वह तमिल हो या अवधी, उसका सार एक ही है राम में समर्पण, प्रेम में परमानंद।

# बदमाशों ने पीछा कर युवक को मारी गोली

## » फरार हमलावरों की तलाश में पुलिस, दिनदहाड़े वारदात से दहली जनता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या।मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम की नगरी अयोध्या एक बार फिर गोलियों की गूंज से दहल उठी। हैदरगंज थाना क्षेत्र के तारुन-हैदरगंज मार्ग पर मंगलवार शाम करीब 7:15 बजे बाइक सवार बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी और असलहे लहराते हुए फरार हो गए। वारदात इतनी तेज़ी से हुई कि लोग कुछ समझ ही नहीं पाए।**

घटना पंडित का पुरवा गांव के पास हुई, जहाँ मयंक प्रताप सिंह (पुत्र शैलेंद्र प्रताप, निवासी पुरुषोतमपुर, मोतिगरपुर, सुल्तानपुर) अपने साथी अनुभव सिंह (निवासी दहलहवा, जाना बाजार) के साथ पल्सर बाइक से हैदरगंज की ओर जा रहे थे। तकमीनगंज पुल पार करते ही पीछा कर रहे दो बाइक सवार बदमाशों ने उन पर अचानक फायरिंग शुरू कर दी।

**घटना की जांच जारी है, हमलावरों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। हमलावर जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।**
**-पीयूष कुमार सीओ बीकापुर**

गोली मयंक के बाएं हाथ में लगी, जिससे वह बाइक सहित सडक़ पर गिर पड़े। साथी अनुभव सिंह ने किसी तरह घायल मयंक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तारुन पहुंचाया। वहां से हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।सूचना पर मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी बीकापुर पीयूष कुमार, थाना अध्यक्ष विवेक राय और फोर्स पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और बदमाशों की तलाश में आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कराई। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हमलावरों ने पहले से मयंक का पीछा किया था, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि मामला पुरानी रंजिश या कारोबार से जुड़ा विवाद हो सकता है।रोशनी की कमी और गश्त की ढिलाई के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

## वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अयोध्या पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बुधवार को महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचीं, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। एयरपोर्ट से वे होटल रेडिशन गईं, जहां अल्प विश्राम के बाद दोपहर 3 बजे कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना होंगी। सीतारमण बृहस्पतिकुंड एवं निषादराज प्रतिमा का अनावरण करेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे।

# सपा सांसद के आरोप पर बीजेपी जिला महामंत्री का तगड़ा पलटवार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**अयोध्या। सपा सांसद अवधेश प्रसाद द्वारा लगाए गए आरोपों पर भाजपा के जिला मंत्री राधेश्याम त्यागी ने करारा जवाब देते हुए कहा कि आज का भारत लोकतंत्र का सशक्त उदाहरण है, जहाँ संविधान पहले से कहीं अधिक सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि जो लोग अपने राजनीतिक जीवन में वोटों की डकैती और संविधान की धज्जियाँ उड़ाने के लिए जाने जाते हैं, वे आज भाजपा पर लोकतंत्र की रक्षा के उपदेश दे रहे हैं।**

त्यागी ने इतिहास के पन्ने खोलते हुए कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि रामपुर के पहले चुनाव में असली विजेता से जीत का प्रमाण पत्र छीनकर नेहरू जी के फोन पर हारने वाले को विजेता घोषित कर

## लोकतंत्र आज सुरक्षित, भारत विकसित राष्ट्र की ओर बढ़ रहा है-राधेश्याम त्यागी

राधेश्याम त्यागी जिला महामंत्री बीजेपी अयोध्या

अवधेश प्रसाद सांसद

दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि इंदिरा गांधी ने खुद जब चुनाव लड़ा था, तब भी बूथ लूटे गए, और अदालत को चुनाव रद्द करना पड़ा– इससे बड़ा प्रमाण लोकतंत्र के अपमान का और क्या होगा। आपातकाल की याद दिलाते हुए त्यागी बोले उस दौर में संविधान की प्रस्तावना तक बदल दी गई थी, प्रेस की आज़ादी छीनी गई, और आम नागरिक के अधिकारों को कुचला गया। उन्होंने दावा किया कि आज मोदी और योगी के नेतृत्व में भारत का लोकतंत्र न केवल सुरक्षित है बल्कि मज़बूत नींव पर खड़ा है।

उन्होंने कहा कि आज गांव का बेटा प्रधानमंत्री बना है, गरीब की थाली में अन्न है, किसान को सम्मान है और युवा के पास अवसर है।

**मिल्कीपुर उपचुनाव में वोट चोरी नही बल्कि डकैती हुई है। जनता का जनादेश छीन लिया गया। प्रशासन ने सत्ता के दबाव में काम किया लोकतंत्र की हत्या हुई है।**
**-अवधेश प्रसाद (सपा)**
**सांसद फैजाबाद लोकसभा**

त्यागी ने आत्मविश्वास के साथ कहा भारत अब केवल एक राष्ट्र नहीं, बल्कि एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

संदेश साफ है भाजपा विपक्ष के हर हमले का जवाब राष्ट्रवाद और विकास की भाषा में देना चाहती है। राधेश्याम त्यागी का यह बयान सिर्फ पलटवार नहीं, बल्कि आने वाले उपचुनावों में पार्टी की रणनीति की झलक भी देता है।

# अयोध्या-टेढ़ी बाजार चौराहा अब 'निषाद राज चौराहा'

## » बृहस्पति कुंड के उद्घाटन से पहले लगाया गया बोर्ड

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में ऐतिहासिक टेढ़ी बाजार चौराहा अब नए नाम से जाना जाएगा। बृहस्पति कुंड के उद्घाटन से ठीक पहले इस प्रमुख चौराहे का नाम बदलकर 'निषाद राज चौराहा' कर दिया गया है। चौराहे पर निषाद राज की भव्य प्रतिमा स्थापित कर बोर्ड भी लगा दिया गया है।गौरतलब है कि आज 8 अक्टूबर को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अयोध्या पहुंचकर बृहस्पति कुंड का उद्घाटन करेंगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ कई दक्षिण भारतीय अतिथि भी मौजूद रहेंगे। बृहस्पति कुंड परिसर में दक्षिण भारत के महापुरुषों की प्रतिमाएं लगाई गई हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ चौराहे के नए नाम 'निषाद राज चौराहा' की आधिकारिक घोषणा करेंगे। यह पहल भगवान राम और उनके अभिन्न मित्र निषाद राज की अमर मित्रता को श्रद्धांजलि के रूप में देखी जा रही है।

### अयोध्या में रात्रि प्रवास करेंगी केंद्रीय वित्त मंत्री

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या के दौरे पर है। दोनों नेता अपराह्न 3:00 बजे अयोध्या पहुंचेंगे। वे बृहस्पति कुंड में स्थापित दक्षिण भारत के संतों की प्रतिमाओं का अनावरण करेंगे और निषाद राज चौराहे पर स्थापित निषाद राज प्रतिमा का भी अनावरण करेंगे। मुख्य कार्यक्रम यात्री सुविधा केंद्र में आयोजित होगा। इसके बाद सीएम योगी रामलला और हनुमानगढ़ी का दर्शन–पूजन करेंगे तथा शाम 6:00 बजे लखनऊ के लिए रवाना होंगे। वहीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अयोध्या में ही रात्रि प्रवास करेंगी और 9 अक्टूबर की सुबह रामलला का दर्शन कर राम मंदिर का अवलोकन करने के बाद दोपहर में महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट से दिल्ली रवाना होंगी।

### रामनगरी में वित्त मंत्री का कार्यक्रम

**8 अक्टूबर**

2: 50 बजे (दोपहर) - महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचेंगी।
3 बजे - एयरपोर्ट से वह रेडिसन होटल जाएंगी।
3.10 बजे - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राम कथा पार्क हेलीपैड पहुंचेंगे।
3.15 बजे - मुख्यमंत्री पहले हनुमानगढ़ी और फिर श्रीरामलला के दर्शन-पूजन करेंगे।
4 बजे - वित्त मंत्री के साथ बृहस्पति कुंड कार्यक्रम में प्रतिभाग करेंगे।
4.30 बजे - श्रीराम जन्मभूमि परिसर स्थित तीर्थ यात्री सुविधा केंद्र की लॉन्चिंग करेंगी।
6.30 बजे- केंद्रीय वित्त मंत्री सरयू आरती में सम्मिलित होंगी।
7.30 बजे - योगी आदित्यनाथ लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे।
8 बजे - वित्त मंत्री होटल रेडिसन में विश्राम करेंगी।

**9 अक्टूबर**

6 बजे (सुबह) - श्रीरामलला की श्रृंगार आरती में भाग लेंगी।
7 बजे - श्रीराम जन्मभूमि परिसर के अन्य मंदिरों का दर्शन करेंगी।
2:20 बजे (दोपहर)- वह महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट से प्रस्थान करेंगी।

# पुलिस के हत्थे चढ़ा पूजा शकुन को गाजियाबाद छोड़ने वाला टैक्सी ड्राइवर

## सरेंडर करने की फिराक में 25 हजार की ईनामी फरार महामंडलेश्वर

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के रोरावर क्षेत्र में टीवीएस शोरूम मालिक अभिषेक की हत्या के मामले में फरार 25 हजार की इनामी महामंडलेश्वर पूजा शकुन पांडेय का 11 दिन बाद पुलिस को बड़ा सुराग हाथ लगा है। तीन राज्यों में दबिश देने के बीच जानकारी मिली कि पूजा एक टैक्सी से गाजियाबाद पहुंची थी। अनुमान है कि वह किसी आश्रम में छिपी हो सकती है। इस बात की आशंका है कि पूजा अदालत में सरेंडर करने की फिराक में है और वह इसके लिए सही मौके के इंतजार में है।**

» टैक्सी चालक से हो रही पूछताछ, पुलिस की जांच तेज।

पुलिस ने टैक्सी चालक को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। उधर, मंगलवार को पूजा की ओर से डाली गई जमानत याचिका को अधिवक्ताओं ने वापस ले लिया। इस आधार पर जिला जज अनुपम कुमार की अदालत ने याचिका को निरस्त कर दिया। 26 सितंबर की रात को हाथरस के सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव कचौरा निवासी 25 वर्षीय अभिषेक गुप्ता की बाइक सवार दो लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने दोनों शूटरों के अलावा नौरंगाबाद निवासी पूजा शकुन पांडेय के पति अशोक पांडेय को जेल भेज दिया। वह अभिषेक को दूर नहीं होने देना चाहती थी। जब अभिषेक ने खैर में टीवीएस का शोरूम खोला तो उसमें भी पार्टनरशिप की बात कहती

थी। पूजा पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट भी जारी हैं। पूजा ने अधिवक्ता के माध्यम से अग्रिम जमानत के लिए सत्र न्यायालय में अर्जी डाली थी। इस पर मंगलवार को सुनवाई के दौरान उनके अधिवक्ताओं ने उसे वापस (नॉट प्रेस) ले लिया। डीजीसी अमर सिंह तोमर ने बताया कि जमानत याचिका नॉट प्रेस होने के चलते उसे निरस्त कर दिया गया है।

जमानत याचिका वापस होने के बाद अब इस बात का अंदेशा तेज हो गया है कि पूजा किसी भी वक्त अदालत में सरेंडर कर सकती है। इस पर पुलिस की भी निगाह है। हालांकि पुलिस ने पूजा के तमाम रिश्तेदारों व करीबियों को रडार पर ले रखा है। माना जा रहा है कि जल्द उसकी गिरफ्तारी हो सकती है।

रोरावर क्षेत्र में टीवीएस शोरूम मालिक अभिषेक की हत्या के मामले में फरार 25 हजार की इनामी महामंडलेश्वर पूजा शकुन पांडेय का 11 दिन बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है। तीन राज्यों में दबिश देने के बीच जानकारी मिली है कि पूजा गाजियाबाद के किसी आश्रम में छिपी हो सकती है। उधर, मंगलवार को पूजा की ओर से डाली गई जमानत याचिका को अधिवक्ताओं ने वापस ले लिया।

### आज मामले में बड़ा खुलासा कर सकती है पुलिस

पूजा घटना वाले दिन ही टैक्सी से फरार हो गई थी। चालक ने पूछताछ में बताया कि उसने पूजा को गाजियाबाद में छोड़ा था। पुलिस ने वहां जाकर दबिश दी, मगर उसका कोई पता नहीं चला। लेकिन, वहां से पूजा के बारे में अहम सुराग मिले हैं। सूत्रों के अनुसार पुलिस बुधवार को मामले में बड़ा खुलासा कर सकती है। एएसपी मयंक पाठक ने बताया कि जिस टैक्सी से पूजा गई थी। उस टैक्सी चालक को हिरासत में लिया गया है। अभी पूछताछ की जा रही है। कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं। जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

# सपा जिलाध्यक्ष और सभासद पर डकैती का आरोप, कोर्ट की फटकार, केस दर्ज

## दुकान में तोड़फोड़, धमकी, 80 हजार लूट और कब्जा करने का मामला

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में राजनीति और कारोबार के टकराव ने तूल पकड़ लिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) के जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद और नगरपालिका सभासद ताज बाबा राईन पर डकैती सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई नवीन मंडी की एक दुकान विवाद को लेकर अदालत की कड़ी फटकार के बाद की गई है। शिकायत के ढाई महीने बाद नगर कोतवाली पुलिस ने तत्कालीन घटना पर अब एक्शन लिया है।**

नगर कोतवाली क्षेत्र की नवीन सब्जी मंडी में स्थित दुकान नंबर बी/10 का मामला है। इस दुकान पर 2014 से नदीम नामक व्यापारी मो. सिराज एंड कंपनी के नाम से मौसमी फलों का थोक कारोबार चला रहे थे। दुकान समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद के नाम पर दर्ज है जिनके वे

पार्टनर भी थे।

नदीम के अनुसार, व्यापार में नुकसान होने पर हाफिज अयाज ने पार्टनरशिप खत्म कर दी और दुकान खाली करने का दबाव बनाया। इसी विवाद के चलते 15 जुलाई 2025 को हाफिज अयाज और सभासद ताज बाबा राईन अपने तीन-चार साथियों के साथ दुकान पर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने दुकान में तोड़फोड़ की, जानमाल की धमकी दी, गल्ले से 70-80 हजार रुपये नगद लूट लिए और कब्जा करने का प्रयास किया।

पीड़ित नदीम ने घटना के बाद नगर कोतवाली और एसपी को शिकायती पत्र दिए, लेकिन कोई कार्रवाई न होने पर उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। धारा 173(4) के तहत दिए गए प्रार्थना पत्र पर कोर्ट नंबर 18 की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सुधा सिंह ने 15 सितंबर 2025 को मुकदमा दर्ज करने और एक सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया। फिर भी पुलिस ने राजनीतिक दबाव के चलते टालमटोल किया।

वादी की शिकायत पर अदालत ने पुलिस को फटकार लगाई, जिसके बाद धारा 3(5), 324(4), 351(3), 310(2), 333 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

# लखनऊ नगर निगम और राज्य सरकार को हाईकोर्ट का नोटिस

## सहारा ग्रुप को फिलहाल नहीं मिली राहत

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

**लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने बुधवार को लखनऊ नगर निगम और राज्य सरकार को राजधानी स्थित सहारा शहर को सील करने के आदेश को चुनौती देने के लिए सहारा इंडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दायर एक याचिका पर 30 अक्टूबर तक अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है।**

लखनऊ के पॉश इलाके गोमतीनगर में 170 एकड़ में फैली सहारा टाउनशिप को लखनऊ नगर निगम ने पट्टा और लाइसेंस समझौतों के कथित उल्लंघन के कारण सील कर दिया है। इस मुद्दे पर सहारा समूह ने आपत्ति जताई है। उसने हाल ही में सीलिंग आदेश के खिलाफ अदालत का रुख किया था। न्यायमूर्ति संगीता चंद्रा और न्यायमूर्ति अमिताभ राय की पीठ ने सहारा इंडिया कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा दायर रिट याचिका पर बुधवार को यह आदेश पारित किया।

मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद पीठ ने कहा कि इस मामले पर विचार-विमर्श की जरूरत है और इसलिए पक्षकारों को मामले में अपनी दलीलें साझा करने का निर्देश दिया गया है।

सहारा इंडिया ने सहारा शहर स्थित भूमि पर कब्जा करने और उसके सभी छह द्वारों को सील करने के नगर निगम के रुख का कड़ा विरोध किया। उसने कहा कि सहारा शहर के अंदर स्थित संपत्तियों और अन्य मूल्यवान वस्तुओं की कोई सूची तैयार नहीं की गई थी।